एमडीआई गुड़गांव में हुआ ब्रांडस्केप्स सेंटर फॉर बिहेवियरल साइंस एंड न्यूरो लैब का उद्घाटन

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली मैनेजमेन्ट डेवलपमेन्ट इंस्टीट्यूट (एमडीआई) गुड़गांव ने 21 फरवरी 2024 को ब्रांडस्केप्स एमडीआई सेंटर फॉर बिहेवियरल साइंस एण्ड न्यूरो लैब का उद्घाटन किया, जो भारतीय मैनेजमेन्ट रीसर्च एवं एजुकेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि है। महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण से प्रेरित बिहेवियरल साइंस एण्ड न्यूरोलैब, न्यूरोसाइन्टिफिक एवं बिहेवियरल सिद्धान्तों पर आधारित बहु-आयामी अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। फाइनैंस, इकोनोमिक्स, पॉलिसी मैनेजमेन्ट, मार्केटिंग, ओर्गेनाइजेशनल बिहेवियर और ह्युमन रिसोर्स मैनेजमेन्ट पर ध्यान केन्द्रित करते हुए यह सेंटर ऐसे रूझान प्रस्तुत करेगा, जो निर्णय निर्धारण प्रक्रिया में बड़े बदलाव ला सकते हैं। इस आधुनिक लैब में इलेक्ट्रोएनसेफेलोग्राफी (ईईजी) सिस्टम है, जो दिमाग की इलेक्ट्रिक गतिविधि को मॉनिटर करता है। ईईजी, एक नॉन-इनवेसिव तकनीक है, इसमें कोर्टिकल एक्टिविटी को रिकॉर्ड करने के लिए स्कैल्प पर इलेक्ट्रोड लगाए जाते हैं। यह कई तरह से उपयोगी है, जैसे मार्केटिंग में उपभोक्ताओं के व्यवहार से लेकर फाइनैंशियल फैसलों में जोखिम एवं भावनाओं के प्रभाव को समझने तक, यह कई तरह से कारगरता है।

इसके अलावा एचआर और ओर्गेनाइजेशनल बिहेवियर की बात करें जो ईईजी का उपयोग एम्प्लॉयी रीटेंशन स्ट्रैटेजीज बनाने और इनकी जांच में भी किया जा सकता है। नई खोली गई लैब के महत्व पर रोशनी डालते हुए प्रोफेसर अरविंद सहाय, डायरेक्टर, एमडीआई गुड़गांव ने कहा, एमडीआई गुड़गांव में ब्रांडस्केप्स सेंटर फॉर बिहेवियरल साइंस एण्ड न्यूरो लैब का उद्घाटन करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। बिहेवियरल साइंस के टूल्स ने हमें मनुष्य के व्यवहार के मूल्यांकन में सक्षम बनाय है, जिससे अधिक प्रभावी हस्तक्षेपों और नीतियों में मदद मिलती है।

हमारे अनुसंधान बताते हैं कि इसका नीति निर्माण पर बड़ा प्रभाव पड़ा है और मैनेजेरियल एक्शन्स बड़ी संख्या में हितधारकों को लाभान्वित कर रहे हैं। हमारा यह सेंटर प्रयोगों पर आधारित जांच के माध्यम से बिहेवियरल रूझान प्रदान कर उद्योग जगत के लीडर्स को व्यवहारिक रूप से लाभान्वित करता है। हम सैद्धान्तिक ज्ञान और व्यवहारिक ज्ञान के बीच के अंतर को दूर कर मैनेजमेन्ट प्रथाओं एवं सामाजिक परिणामों में बड़ा बदलाव लाना चाहते हैं।